शिक्षक - रवि शंकर राय विषय - अर्थशास्त्र
दिनांक - 14-08-2020 वर्ग - M.A - II (प्रथम व्याख्या)

मुद्रा की माँग का टोबिन का पोर्टफोलियो दृष्टिकोण (Tobin's Portfolio Approach to Demand for money)

एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री जेम्स टोबिन ने अपने महत्वपूर्ण योगदान में यह व्याख्या की कि एक व्यक्ति का विवेकपूर्ण व्यवहार यह होता है कि कि वे अपनी परिसम्पत्तियों का वह पोर्टफोलियो रखे जिसमें ऋण-पत्र तथा मुद्रा दोनों ही हो।

उनके अनुसार लोग कम की अपेक्षा अधिक सम्पत्ति को वरीयता (preference) प्रदान करते हैं। एक निवेशकर्ता के समक्ष यह समस्या होती है कि अपने वित्तीय परिसम्पत्तियों के portfolio में कितना अनुपात मुद्रा (जिस पर कोई ब्याज अर्जित नहीं होता है) के रूप में तथा कितना अनुपात ब्याज वाले ऋण पत्रों के रूप में रखे।

व्यक्तियों के portfolio में shares जैसी अधिक जोखिमपूर्ण परिसम्पत्तियाँ भी हो

सकती है। Tobin के अनुसार व्यक्ति का व्यवहार जोखिम से बचना (Risk aversion) होता है। अर्थात एक निश्चित प्रतिफल के दर पर वे अधिक की अपेक्षा कम जोखिम को वरीयता प्रदान करते हैं।

टोबिन का तर्क है कि एक जोखिम से दूर रहने वाला व्यक्ति उस portfolio का चुनाव नही करेगा जिसमें सभी जोखिमपूर्ण ऋणपत्र हो या उनका अधिक अनुपात हो।

इसके विपरीत जो व्यक्ति अपने portfolio में केवल सुरक्षित परिसम्पत्तियों जैसे मुद्रा (करेन्सी तथा बैंक मे मांग जमा) के रूप मे रखता है तो इसके जोखिम लगभग शून्य होगा। किन्तु उसे कोई प्रतिफल भी नही मिलेगा तथा उसके परिणामस्वरूप उसकी सम्पत्ति मे कोई वृद्धि नही होगी। अतः लोग सामान्यतः मुद्रा, ऋणपत्र तथा शेयर की मिश्रित ~~अथवा~~ portfolio को वरीयता प्रदान करते हैं, जो प्रत्येक व्यक्ति के जोखिम तथा प्रतिफल के बीच —

कुछ भिन्न संतुलन पर निर्भर करता है।

यह ध्यान देने योग्य है कि यदि एक व्यक्ति को ऋणपत्र जैसे जोखिमपूर्ण परिसम्पत्तियों पर अपेक्षाकृत अधिक औसत प्रतिफल प्राप्त नहीं होता है तो वह सम्पूर्ण परिसम्पत्ति उसमें नहीं रखना चाहेगा।

व्यक्तियों की सुरक्षा तथा उचित प्रतिफल (fair return) दोनों को प्राप्त करने की वाञ्छा के कारण वे उनमें संतुलन बनाये रखते हैं तथा एक मिश्रित तथा संतुलित portfolio रखते हैं जिसमें मुद्रा तथा ऋण पत्र एवं शायद जैसी जोखिमपूर्ण परिसम्पत्तियाँ होती हैं। यह मिश्रण विभिन्न व्यक्तियों में भिन्न-भिन्न होता है जो जोखिम के प्रति व्यवहार तथा उसके परिणामस्वरूप उसके जोखिम तथा प्रतिफल के बीच tradeoff पर निर्भर करता है।

This is the first class of Tobin's Theory demand for money.